एम. कॉम
द्वितीय वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2026–2027

जुलाई 2026 तथा जनवरी 2027 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – **1100 68**

सत्रीय कार्य 2026–2027

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रति ात अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2026 और जनवरी 2027)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2026** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2027** तक है।

2. जो **जनवरी 2027** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2027** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अनुसंधान विधियाँ एवं सांख्यिकीय विश्लेषण**
स्त्रीय कार्य का कोड	**:**	**एम. सी. ओ. -03/टी. एम. ए./ 2026-27**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) अनुसंधान में अनुसंधान अभिकल्प (Research Design) के महत्व पर चर्चा कीजिए। अन्वेषणात्मक (Exploratory), वर्णनात्मक (Descriptive) तथा कारणात्मक (Causal) अनुसंधान अभिकल्पों की उपयुक्त उदाहरणों सहित तुलना कीजिए। (10+10)

   (ख) मापन (Measurement) एवं मापकन (Scaling) की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। मापन के विभिन्न स्तरों (Levels of Measurement Scales) पर चर्चा कीजिए तथा अनुसंधान में उनकी उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिए।

2. (क) आँकड़ों (Data) के संग्रहण की विभिन्न विधियों पर चर्चा कीजिए। प्राथमिक (Primary) एवं द्वितीयक (Secondary) आँकड़ा स्रोतों की तुलना कीजिए तथा आधुनिक अनुसंधान में उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (10+10)

   (ख) आँकड़ों के प्रस्तुतीकरण (Data Presentation) की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए। अनुसंधान निष्कर्षों के संप्रेषण में सांख्यिकीय सारणियों (Statistical Tables) एवं आलेखीय प्रस्तुतियों (Graphical Presentations) की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

3. (क) केंद्रीय प्रवृत्ति (Central Tendency) एवं प्रसरण (Dispersion) की अवधारणाओं की व्याख्या कीजिए। चर्चा कीजिए कि ये माप व्यवसायिक आँकड़ों (Business Data) की व्याख्या करने में प्रबंधकों की किस प्रकार सहायता करते हैं। (10+10)

   (ख) सहसंबंध (Correlation) की अवधारणा पर चर्चा कीजिए। सहसंबंध के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए तथा कार्ल पियर्सन के सहसंबंध गुणांक (Karl Pearson's Coefficient of Correlation) की उपयोगिता एवं सीमाओं का मूल्यांकन कीजिए।

4. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए:** (5x4)

   (क) नाममात्र मापक (Nominal Scale) एवं क्रमिक मापक (Ordinal Scale)

   (ख) पैरामीट्रिक परीक्षण (Parametc Terist) एवं गैर-पैरामीट्रिक परीक्षण (Non-Parametric Test)

   (ग) आँकड़ों का संपादन (Editing of Data) एवं सांकेतिकीकरण (Coding of Data)

   (घ) असतत आवृत्ति वितरण (Discrete Frequency Distribution) एवं सतत आवृत्ति वितरण (Continuous Frequency Distribution)

   (ड़) सांख्यिकीय स्वतंत्रता (Statistical Independence) एवं सांख्यिकीय पराधीनता (Statistical Dependence)

5. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए:** (4x5)

(क) अभिवृत्ति मापन (Attitude Measurement) से संबंधित समस्याएँ तथा अनुसंधान की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव

(ख) आँकड़ों का भौगोलिक (Geographical) एवं कालानुक्रमिक (Chronological) वर्गीकरण

(ग) चरों (Variables) के मध्य संबंधों के अध्ययन हेतु प्रकीर्ण आरेख (Scatter Diagram) एक उपकरण के रूप में

(घ) अनुसंधान अध्ययनों में व्याख्या (Interpretation), सामान्यीकरण (Generalization) एवं सांख्यिकीय भ्रांतियाँ (Statistical Fallacies)